



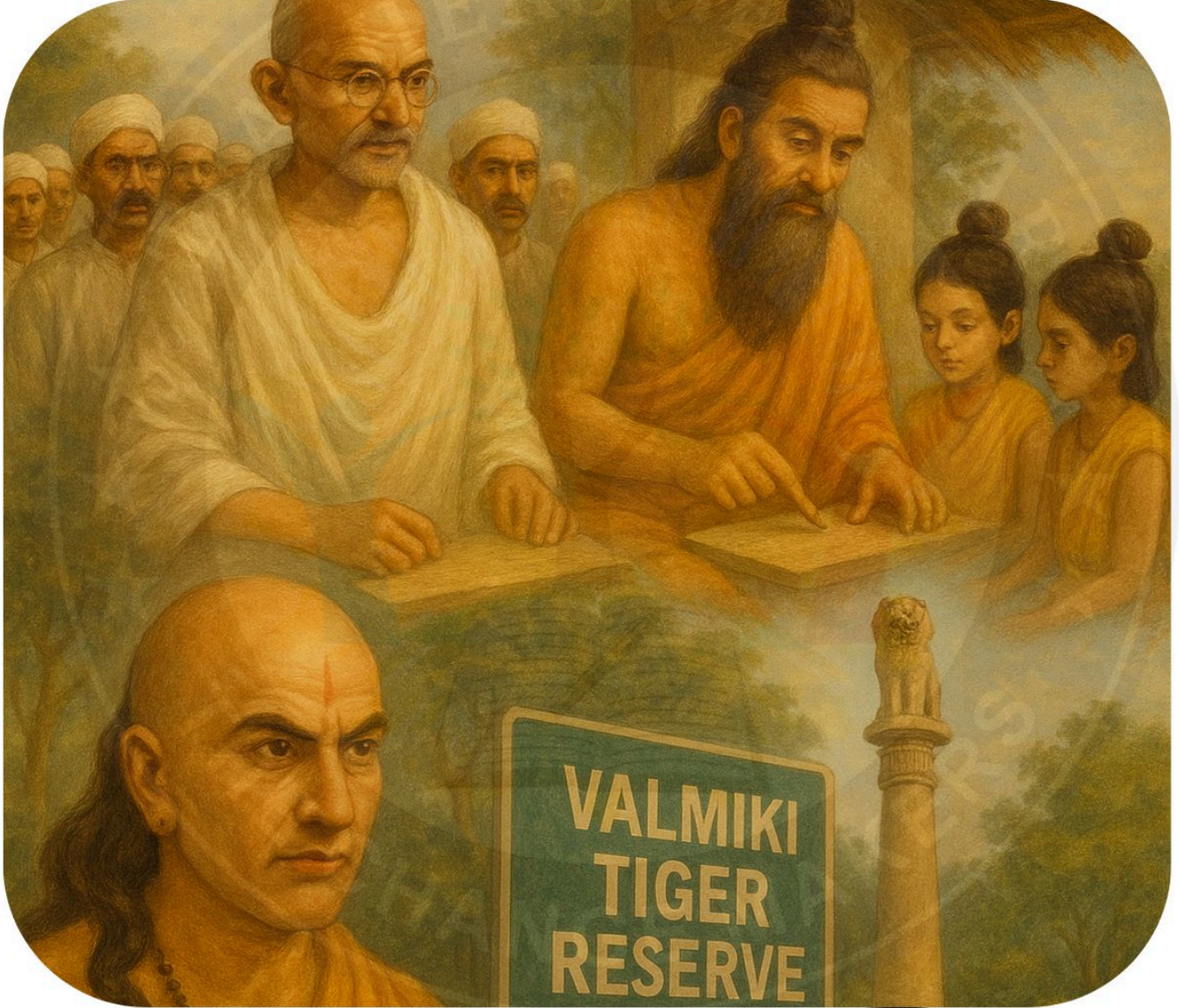
चम्पारण ज्ञानाग्रह



प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक- 07 फ़रवरी 2026, अंक -209.

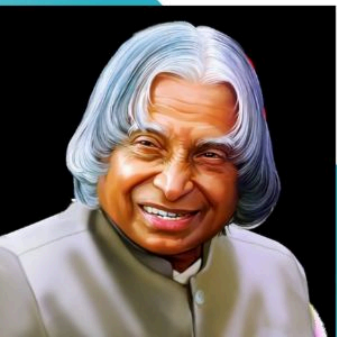
प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."



"सपनों को पंख मेहनत देती है।"

— कलाम



विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक
उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org



**Saturday Prayer****बिहार राज्य गीत****राष्ट्रीय गीत****राष्ट्रगान****बिहार राज्य प्रार्थना:**

मेरी रफ्तार पे सूरज की किरण नाज करे,
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे।

वो नजर दे कि करूँ कद्र हरेक मजहब की,
वो मुहब्बत दे मुझे अमनो अमन नाज करे।

मेरी खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक,
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे।

इल्म कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ,
हौसला ऐसा हँ दे गंग जमन नाज करे।

आधे रस्ते पे न रूक जाये मुसाफिर के कदम,
शौक मंजिल का हो इतना कि थकन नाज करे।

दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार,
ऐसी खूबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे।

जय बिहार जय बिहार जय जय जय जय
बिहार....!

मेरे भारत के कंठहार,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करुणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू ही अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरुगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन बन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

वन्दे मातरम्।

सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्
शस्यश्यामलां मातरम्।

वंदे मातरम् !

शुभ्रज्योत्स्नां पुलकितयामिनीम्
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्
सुखदां वरदां मातरम्॥

वन्दे मातरम्।

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे॥

संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक

Govt. PS बोदसर,
बगहा-2

**संविधान की प्रस्तावना**

हम, भारत के लोग,

भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्गशीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् 20 हजार 96 विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14-18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19-22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23-24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25-28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29-30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) - मौलिक कर्तव्य:

भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह -

- (1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
- (2.) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
- (3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
- (4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
- (5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भावना की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
- (6.) हमारी सामाजिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
- (7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
- (8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
- (9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
- (10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
- (11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।



सामान्य-ज्ञान



प्रश्न 1: ऑस्ट्रेलिया की राजधानी क्या है?

उत्तर: कैनबरा

प्रश्न 2: स्वतंत्र भारत के पहले भारतीय गवर्नर जनरल कौन थे?

उत्तर: सी. राजगोपालाचारी

प्रश्न 3: लोहड़ी पर्व किस राज्य की संस्कृति से जुड़ा है?

उत्तर: पंजाब

प्रश्न 4: 1 मीटर में कितने सेंटीमीटर होते हैं?

उत्तर: 100 सेंटीमीटर

प्रश्न 5: बिहार का प्रसिद्ध 'गुरु गोबिंद सिंह कॉलेज' कहाँ स्थित है?

उत्तर: भागलपुर

प्रश्न 6: भारत का राष्ट्रीय मिठाई कौन सा है?

उत्तर: जलेबी

प्रश्न 7: स्टीम इंजन का सुधार और व्यावसायिक उपयोग किसने किया?

उत्तर: जेम्स वाट

प्रश्न 8: भारत का सबसे अधिक जनसंख्या वाला राज्य कौन सा है?

उत्तर: उत्तर प्रदेश

प्रश्न 9: 'स्वस्थ' का विलोम शब्द बताइए।

उत्तर: अस्वस्थ, रोगी

प्रश्न 10: प्रकाश की गति कितनी है?

उत्तर: लगभग 3 लाख किलोमीटर प्रति सेकंड (वास्तविक: 299,792 किमी/से.)

संकलन:-



पिन्टू कुमार

विद्यालय अध्यापक

UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

अनिश्चित सर्वनाम (Indefinite Pronouns)

1. Someone – (समवन) – कोई (व्यक्ति)
2. Somebody – (समबॉडी) – कोई (व्यक्ति)
3. Something – (समथिंग) – कोई चीज़
4. Anyone – (एनीवन) – कोई भी (व्यक्ति)
5. Anybody – (एनीबॉडी) – कोई भी (व्यक्ति)
6. Anything – (एनीथिंग) – कुछ भी / कोई भी चीज़
7. Everyone – (एवरीवन) – हर कोई / सब
8. Everybody – (एवरीबॉडी) – सब लोग



संकलन:-

सौरभ कुमार

विद्यालय अध्यापक

Govt. UMS गोइती

बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

Command:

- * मुझे यह दिखाइए → Show me this, please.
- * मुझे वह दिखाइए → Show me that, please.
- * मुझे किताब दिखाइए → Show me book, please.
- * मुझे कलम दिखाइए → Show me pen, please.
- * मुझे विद्यालय दिखाइए → Show me school, please.



सुनील कुमार राम

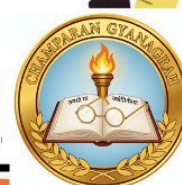
प्रधान शिक्षक

Govt. PS चिउटाही

बगहा-2, प. चम्पारण



"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)



1. 7 फरवरी को विश्व स्तर पर कौन सा दिवस मनाया जाता है? (दिवस ज्ञान)

उत्तर: विश्व दलहन दिवस (World Pulses Day)

व्याख्या: संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 7 फरवरी को विश्व दलहन दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसका उद्देश्य दालों के पोषण संबंधी लाभों, खाद्य सुरक्षा में उनकी भूमिका और टिकाऊ कृषि में योगदान के बारे में वैश्विक जागरूकता बढ़ाना है। दलहन प्रोटीन, फाइबर और सूक्ष्म पोषक तत्वों का महत्वपूर्ण स्रोत हैं।

संदर्भ: संयुक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन (FAO) आधिकारिक वेबसाइट, 2026।

2. हाल ही में (फरवरी 2026) किस भारतीय संस्था ने 'चंद्रयान-4' मिशन के लिए क्रू मॉड्यूल का सफल परीक्षण किया है? (समसामयिकी)

उत्तर: भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO)**

व्याख्या: फरवरी 2026 में ISRO ने चंद्रयान-4 (भारत के पहले मानवरहित चंद्र रोवर वापसी मिशन) के लिए क्रू मॉड्यूल के पुनः प्रवेश और सुरक्षित लैंडिंग का सफल परीक्षण किया। यह परीक्षण 'गर्गनयान' कार्यक्रम के तहत मानव अंतरिक्ष उड़ान तकनीकों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

संदर्भ: ISRO प्रेस विज्ञप्ति, फरवरी 2026; पीआईबी।

3. "The Making of a General: How the Indian Army Works" पुस्तक के लेखक कौन हैं? (पुस्तक-लेखक)

उत्तर: जनरल मनोज मुकुंद नरवणे (सेवानिवृत्त)**

व्याख्या: यह पुस्तक 2025 में प्रकाशित हुई और भारतीय सेना की संरचना, कमान प्रणाली, प्रशिक्षण और आधुनिक चुनौतियों पर एक पूर्व सेना प्रमुख के दृष्टिकोण से लिखी गई है। यह रक्षा अध्ययन और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए एक महत्वपूर्ण स्रोत है।

संदर्भ: ब्लूम्सबरी पब्लिशिंग इंडिया, 2025।

4. 'अम्लीय वर्षा' (Acid Rain) का प्रमुख कारण वायुमंडल में किन गैसों की उपस्थिति है? (पर्यावरण)

उत्तर: सल्फर डाइऑक्साइड (SO_2) और नाइट्रोजन के ऑक्साइड (NO_x)**

व्याख्या: अम्लीय वर्षा मुख्यतः सल्फर डाइऑक्साइड (SO_2) और नाइट्रोजन के ऑक्साइड (NO_x) के वायुमंडल में उत्सर्जन के कारण होती है। ये गैसें जीवाश्म ईंधन के दहन, वाहनों और उद्योगों से निकलती हैं और वायुमंडल में जलवाष्प के साथ मिलकर सल्फ्यूरिक अम्ल (H_2SO_4) और नाइट्रिक अम्ल (HNO_3) बनाती हैं, जो वर्षा के साथ पृथ्वी पर गिरते हैं।

संदर्भ: NCERT Class 7 Geography, Ch 4 Air, पृष्ठ 30-31।

5. प्राचीन भारत में 'तक्षशिला विश्वविद्यालय' वर्तमान में किस देश के क्षेत्र में स्थित था? (इतिहास)

उत्तर: पाकिस्तान**

व्याख्या: तक्षशिला विश्वविद्यालय (आधुनिक पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में रावलपिंडी के निकट) प्राचीन भारत (6वीं शताब्दी ईसा पूर्व से 5वीं शताब्दी ईस्वी तक) का एक प्रमुख शिक्षा केंद्र था। यह गंधार क्षेत्र में स्थित था और चिकित्सा, खगोल विज्ञान, राजनीति, युद्ध कला आदि विषयों के लिए प्रसिद्ध था। आचार्य चाणक्य यहाँ के विद्यार्थी रहे थे।

संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 8 Vital Villages, Thriving

6. भारत में 'पश्चिमी घाट' को UNESCO द्वारा किस रूप में मान्यता प्राप्त है? (भूगोल)

उत्तर: विश्व धरोहर स्थल (प्राकृतिक)**

व्याख्या: पश्चिमी घाट, जो भारत के पश्चिमी तट के समानांतर फैला है, को वर्ष 2012 में UNESCO द्वारा एक 'प्राकृतिक विश्व धरोहर स्थल' के रूप में मान्यता दी गई थी। यह अपनी असाधारण जैव विविधता, स्थानिक प्रजातियों और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के लिए जाना जाता है।

संदर्भ: NCERT Class 9 Geography, Ch 2 Physical Features of India, पृष्ठ 14।

7. संविधान के किस अनुच्छेद में 'सूचना का अधिकार' (RTI) अधिनियम, 2005 का प्रावधान निहित है? (संविधान)

उत्तर: अनुच्छेद 19(1)(a) (भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता)**

व्याख्या: सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 का आधार संविधान के अनुच्छेद 19(1)(a) में निहित 'भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' के अधिकार से लिया गया है। सर्वोच्च न्यायालय ने व्याख्या की है कि सूचना पाने का अधिकार इस स्वतंत्रता का एक अभिन्न अंग है, क्योंकि जानकारी के बिना प्रभावी अभिव्यक्ति संभव नहीं है।

संदर्भ: NCERT Class 11 Political Science, Ch 2 Rights in the Indian Constitution, पृष्ठ 32।

8. 'प्रकाश संश्लेषण' (Photosynthesis) की क्रिया में उत्पन्न होने वाला प्राथमिक उत्पाद कौन सा है? (विज्ञान)

उत्तर: ग्लूकोज (कार्बोहाइड्रेट)**

व्याख्या: प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया में हरे पौधे सूर्य के प्रकाश की उपस्थिति में कार्बन डाइऑक्साइड और जल का उपयोग करके ग्लूकोज (एक कार्बोहाइड्रेट) का निर्माण करते हैं और ऑक्सीजन को उपोत्पाद के रूप में मुक्त करते हैं। यह प्रक्रिया पृथ्वी पर जीवन का आधार है। रासायनिक समीकरण है: $6CO_2 + 6H_2O \rightarrow C_6H_{12}O_6 + 6O_2$

संदर्भ: NCERT Class 7 Science, Ch 1 Nutrition in Plants, पृष्ठ 10-11।

9. 'मंजीरा' (झांझ) नामक संगीत वाद्ययंत्र का उपयोग मुख्यतः किस शास्त्रीय नृत्य शैली में होता है? (कला एवं संस्कृति)

उत्तर: भरतनाट्यम**

व्याख्या: मंजीरा या झांझ एक छोटा पीतल का झांझ है, जो भरतनाट्यम नृत्य में ताल और लय देने के लिए एक प्रमुख वाद्य के रूप में प्रयुक्त होता है। यह आमतौर पर नर्तकी के अंगूठे और तर्जनी उंगली में पहना जाता है। यह कर्नाटक संगीत और अन्य लोक नृत्यों में भी प्रयोग किया जाता है।

संदर्भ: NCERT Class 7 History, Ch 9 The Making of Regional Cultures, पृष्ठ 126 (संगीत वाद्यों का उल्लेख)।

10. बिहार के किस ऐतिहासिक स्थल को 'बौद्ध विश्वविद्यालय' के रूप में जाना जाता था और यह UNESCO विश्व धरोहर स्थल है? (बिहार सामान्य ज्ञान)

उत्तर: नालन्दा (नालन्दा महाविहार)**

व्याख्या: नालन्दा महाविहार (वर्तमान नालन्दा जिले में) 5वीं से 12वीं शताब्दी ईस्वी तक अस्तित्व में रहा एक प्रसिद्ध बौद्ध शिक्षा केंद्र था, जिसे अक्सर विश्व का पहला आवासीय विश्वविद्यालय माना जाता है। इसकी खंडहरों को वर्ष 2016 में UNESCO द्वारा विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया था।

संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 8 Vital Villages, Thriving Towns, पृष्ठ 85; UNESCO सूची।

11. भूकंप प्रतिरोधी भवन निर्माण के लिए कौन-से मुख्य सिद्धांतों का पालन आवश्यक है? (विद्यालय सुरक्षा फरवरी W1)

उत्तर: भूकंप प्रतिरोधी भवन निर्माण के लिए मुख्य सिद्धांत हैं: सरल एवं सममित आकार, हल्की छत, मजबूत कॉलम-बीम जोड़, गुणवत्तापूर्ण सामग्री का प्रयोग, नींव का उचित डिज़ाइन, और भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) के IS 1893 (भूकंप रोधी डिज़ाइन) मानकों का पालन। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) के दिशानिर्देशों के अनुसार, ये सिद्धांत भवन को झटकों का प्रतिरोध करने, ऊर्जा को अवशोषित करने और टूट-फूट के बिना हिलने की क्षमता प्रदान करते हैं। विशेष रूप से बिहार जैसे सीस्मिक ज़ोन IV व V में स्थित राज्यों के लिए यह ज्ञान अत्यंत महत्वपूर्ण है।

12. एक कूट भाषा में, यदि 'GARDEN' को 'SGZMVM' लिखा जाता है, तो उसी कूट में 'FLOWER' को क्या लिखा जाएगा? (मानसिक योग्यता)

उत्तर: UOLDVI**

व्याख्या: यहाँ प्रत्येक अक्षर को अंग्रेजी वर्णमाला में उसके विपरीत स्थानीय मान वाले अक्षर से बदला गया है (A=1→Z=26, B=2→Y=25, आदि)। G(7) का विपरीत T(20), लेकिन दिया है S(19)? गलती। पुनः जांच: G(7) का विपरीत (27-7=20→T), लेकिन दिया है S(19). तो पैटर्न है: विपरीत मान में से 1 घटाना। G(7) का विपरीत T(20), 20-1=19→S. A(1) का विपरीत Z(26), 26-1=25→Y? नहीं दिया है G(7)... फिर

GK संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

Govt. PS बोदसर

बगहा-2, प. चम्पारण ।



अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

1. Abundant (अबन्डन्ट) = Plentiful (प्लेन्टिफुल) = प्रचुर मात्रा में
Antonym – Scarce (स्केर्स) = दुर्लभ / कमी
2. Enhance (एनहैंस) = Improve (इम्प्रूव) = सुधार करना / बढ़ाना
Antonym – Deteriorate (डिटीरियोरेट) = बिगाड़ना / गिरना
3. Brisk (ब्रिस्क) = Active (ऐक्टिव) = तेज / फुर्तीला
Antonym – Sluggish (स्लुगिश) = सुस्त
4. Notion (नोशन) = Idea (आइडिया) = धारणा / विचार
Antonym – Reality (रियलिटी) = वास्तविकता
5. Terminate (टर्मिनेट) = End (एन्ड) = समाप्त करना
Antonym – Continue (कन्टिन्यू) = जारी रखना

~: संकलन :~

घनश्याम प्रसाद

प्रधान शिक्षक

Govt. PS सिधाव थारुटोला

बगहा-2, प. चम्पारण ।





"आज का अखबार"

NATIONAL NEWS



1. PM Modi interacts with record 4.5 crore participants in 'Pariksha Pe Charcha 2026'.

प्रधानमंत्री मोदी ने 'परीक्षा पे चर्चा 2026' में रिकॉर्ड 4.5 करोड़ विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों से संवाद किया।

2. Centre, Nagaland and ENPO sign historic pact to create Frontier Nagaland Territorial Authority.

केंद्र, नागालैंड सरकार और ENPO ने फ्रंटियर नागालैंड टेरिटोरियल अथॉरिटी गठन हेतु ऐतिहासिक समझौता किया।

3. India joins UN Honour Roll after paying \$35.18 million dues on time.

भारत ने समय पर 35.18 मिलियन डॉलर का भुगतान कर संयुक्त राष्ट्र सम्मान सूची में स्थान प्राप्त किया।

INTERNATIONAL NEWS

4. International Day of Zero Tolerance for Female Genital Mutilation observed worldwide.

विश्वभर में महिला जननांग विकृति उन्मूलन के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाया गया।

5. Russia-US nuclear arms control treaty expires, raising global security concerns.

रूस-अमेरिका परमाणु हथियार नियंत्रण संधि समाप्त होने से वैश्विक सुरक्षा चिंताएँ बढ़ीं।

6. US-Iran and Russia-Ukraine diplomatic talks continue amid global tensions.

वैश्विक तनाव के बीच अमेरिका-ईरान तथा रूस-यूक्रेन कूटनीतिक वार्ताएँ जारी।



BIHAR NEWS



7. Career guidance and scholarship support programmes expanded across schools.

राज्य के विद्यालयों में करियर मार्गदर्शन और छात्रवृत्ति सहायता कार्यक्रमों का विस्तार।

8. Education sector focuses on new courses in AI, data science and renewable energy.

शिक्षा क्षेत्र में AI, डेटा साइंस और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे नए पाठ्यक्रम शुरू।

SPORTS NEWS

9. 2026 Winter Olympics begin in Milan-Cortina with grand opening ceremony.

मिलान-कोर्टिना में 2026 शीतकालीन ओलंपिक भव्य उद्घाटन समारोह के साथ शुरू।

10. India to face England in U-19 Cricket World Cup final.

अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप फाइनल में भारत का मुकाबला इंग्लैंड से।



संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण ।

आइए, मिलकर बच्चों के भविष्य को सिर्फ सूचना से नहीं, समझ से सशक्त करें।

"कांपे धरती, नहीं हमारा साहस" (माह फरवरी | प्रथम सुरक्षित शनिवार विशेष)

पात्र: शिक्षक, राहुल, सीमा, मोहन, अन्य विद्यार्थी।

दृश्य: विद्यालय का कक्षा-कक्ष। बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं।

शिक्षक: बच्चों, आज सुरक्षित शनिवार है। आज हम भूकंप से खतरे और बचाव के बारे में मॉकड्रिल करेंगे।

राहुल: सर, भूकंप अचानक आता है न? तब क्या करें? शिक्षक: बिल्कुल सही सवाल। भूकंप में घबराना नहीं, समझदारी से काम लेना सबसे ज़रूरी है।

(अचानक घंटी बजती है – भूकंप का संकेत)

शिक्षक (तेज़ लेकिन शांत आवाज़ में): बच्चों, यह मॉकड्रिल है। सब ध्यान से सुनो— झुको, ढको और थामे रहो!

(बच्चे अपनी-अपनी डेस्क के नीचे झुक जाते हैं। सिर ढकते हैं।)

सीमा: सर, खिड़की के पास खड़े होना ठीक है?

शिक्षक: नहीं सीमा। भूकंप में खिड़की, अलमारी और पंखे से दूर रहना चाहिए। खुले मैदान में जाना सबसे सुरक्षित होता है, लेकिन लाइन में, शांति से। (संकेत समाप्त होता है।)

मोहन: सर, अगर हम घर पर हों तो?

शिक्षक: बहुत अच्छा सवाल। घर में हों तो मजबूत मेज़ के नीचे जाएँ। लिफ्ट का उपयोग न करें। बाहर हों तो बिजली के खंभों और पेड़ों से दूर रहें।

राहुल: और अगर डर लगे तो?

शिक्षक: डर स्वाभाविक है, लेकिन तैयारी डर को कम कर देती है। मॉकड्रिल इसी लिए होती है।

सभी बच्चे (एक स्वर में): हम घबराएँगे नहीं, सुरक्षा नियम अपनाएँगे, अपनी और दूसरों की जान बचाएँगे!

शिक्षक (समापन): बच्चों, याद रखो— भूकंप से डर नहीं, सावधानी ज़रूरी है। सुरक्षित रहना ही सच्ची समझदारी है।



.....
मनोज कुमार

प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।



अगर एक शिक्षक के रूप में हम कक्षा में प्रभावी शिक्षण करना चाहते हैं तो हमें कक्षा में पूर्व तैयारी के साथ जाना आवश्यक है। बिना पूर्व तैयारी के यदि हम कक्षा में चले जाते हैं तो हम न तो खुद से और न ही छात्रों के साथ न्याय कर पाने में सक्षम हो पाते हैं। बिना तैयारी के शिक्षण केवल जानकारी देने तक सीमित रह जाता है जबकि तैयारी के साथ कक्षा में जाने से शिक्षक छात्रों को अधिगम कराने में सफल होते हैं।

पूर्व तैयारी कर कक्षा में जाने वाले शिक्षकों को शिक्षण के उद्देश्य पता रहता है साथ ही उन्हें यह भी पता होता है कि कक्षा में बच्चों को क्या सीखना है। शिक्षक कक्षा में सीमित समय का सही उपयोग करते हैं

कक्षा पूर्व तैयारी कर कक्षा में जाने पर कक्षा में अनावश्यक बातें नहीं होतीं और पूरा पाठ समय पर पूरा होता है। शिक्षक द्वारा उचित शिक्षण विधि का चयन किया जाता है। शिक्षक अपनी शिक्षण विधि में कहानी, गतिविधि, प्रश्न-उत्तर, समूह कार्य, TLM आदि का चयन पहले से कर लेते हैं जिससे उनकी कक्षा रोचक बनती है और कक्षा में विद्यार्थियों की सहभागिता भी सुनिश्चित होती है। कई बार पूर्व योजना बनाकर शिक्षण करने से छात्र कक्षा सक्रिय रहते हैं, प्रश्न पूछते हैं और सीखने में रुचि लेते हैं। साथ ही शिक्षक का आत्मविश्वास परिलक्षित होता है। पहले से तैयार शिक्षक विषय पर पकड़ रखते हैं और छात्रों का विश्वास भी हासिल करने में सफल होते हैं तथा कक्षा अनुशासन बना रहता है। शिक्षक जब स्पष्ट योजना बनाकर कक्षा में जाते हैं तब उनकी कक्षा में अव्यवस्था नहीं होती है, छात्रों का मूल्यांकन आसान होता है अंत में प्रश्न, कार्यपत्रक या गतिविधि से यह पता चल जाता है कि बच्चों ने कितना सीखा।

कक्षा पूर्व तैयारी में पाठ योजना, शिक्षण उद्देश्य, शिक्षण सामग्री, प्रश्न एवं गतिविधियाँ, मूल्यांकन की योजना आदि को शामिल करना चाहिए। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि कक्षा पूर्व तैयारी शिक्षक की सफलता की कहानी लिखती है। शिक्षक की जितनी अच्छी तैयारी होगी उतना प्रभावी ही उनका कक्षा कक्षीय शिक्षण होगा। तो आईए हम शिक्षक यह तय करें कि कक्षा में पूर्व तैयारी के साथ ही प्रवेश करेंगे।

.....👉

मनोज कुमार झा

प्रधानाध्यापक

राजकीयकृत म.वि. सर्वोदय

बेतिया, प. चम्पारण।



07.02.2026

Exam Warriors! आज बिहार बोर्ड इंटरमीडिएट परीक्षा का

छठा दिन है। अब तक छह पेपर हो चुके हैं और आपकी दिनचर्या, एकाग्रता और आत्मविश्वास – तीनों ही स्तर पर एक नई ऊँचाई छू रहे हैं। मैट्रिक के छात्रों के लिए 17 फरवरी से परीक्षा शुरू होने में सिर्फ 10 दिन बचे हैं। दोनों ही समूहों के लिए आज का मुख्य फोकस है – स्पीड और एक्पूरेसी का सही बैलेंस बनाना।

इंटरमीडिएट के विद्यार्थियों के लिए अब हर पेपर में एक नई चुनौती है: समय कम लगता है और प्रश्नों की संख्या ज्यादा। इसलिए आज से एक छोटा प्रयोग शुरू करें। हर पेपर में पहले 10-15 मिनट सिर्फ आसान और मध्यम प्रश्नों को चुनने और मार्क करने में लगाएँ। फिर अगले 2 घंटे में इन्हें पूरा करें। बचे हुए समय में कठिन प्रश्नों पर जाएँ। इस तरह आप पहले ही 60-70% अंक सुरक्षित कर लेते हैं और दबाव कम होता है। उत्तर लिखते समय पहले मुख्य बिंदु लिखें, फिर विस्तार दें – इससे स्पीड और एक्पूरेसी दोनों बनी रहती है।

मैट्रिक के छात्रों के लिए अब 'फाइनल स्पीड अभ्यास' शुरू करने का समय है। रोज़ कम से कम 2 विषयों के 20-25 प्रश्नों का टाइम अभ्यास करें। उदाहरण के लिए:

गणित – 10 MCQ + 5 शॉर्ट + 2 लॉन्ग (30 मिनट में)

विज्ञान – 15 ऑब्जेक्टिव + 5 बहुत छोटे उत्तर (25 मिनट में)

हिंदी/अंग्रेजी – 1 पत्र + 1 निबंध/अनुच्छेद (20 मिनट में)

यह अभ्यास आपको परीक्षा में समय की कमी महसूस नहीं होने देगा। साथ ही साफ़ लिखावट और सही स्पेसिंग पर विशेष ध्यान दें – मैट्रिक में ये छोटी चीज़ें बहुत अंक बनाती हैं।

सभी विद्यार्थियों के लिए आज का विशेष संदेश – 'एक प्रश्न, एक साँस'। जब कोई प्रश्न मुश्किल लगे तो उसे तुरंत छोड़कर अगला करें। बाद में लौटकर देखें। इस तकनीक से आपका दिमाग ब्लॉक नहीं होता। साथ ही हर 45 मिनट में 3-4 मिनट का 'साइलेंट ब्रेक' लें – बस आँखें बंद करके साँस पर ध्यान दें। यह छोटी आदत आपकी एकाग्रता को कई गुना बढ़ा देगी।

परीक्षा के बाद घर लौटकर 10 मिनट में खुद से पूछें – आज क्या अच्छा हुआ? क्या सुधारना है? फिर अगले पेपर के लिए हल्का दोहराव करें। सोने से पहले खुद को याद दिलाएँ – “मैंने आज भी अपना सर्वश्रेष्ठ दिया। कल और बेहतर होगा।”

अभिभावक आज बच्चे से बस इतना कहें – “तुम्हारा जोश देखकर बहुत अच्छा लग रहा है। हम तुम्हारे साथ हैं।” शिक्षक साथियों से अपील है कि छात्रों को यही कहें – “छठा दिन है – तुम पहले से कहीं ज्यादा तैयार हो। बस जारी रखो।”

बिहार के इंटर और मैट्रिक के सभी योद्धाओं! अब स्पीड और एक्पूरेसी का दौर है। हर प्रश्न के साथ आपकी जीत करीब आ रही है। शांत रहो, तेज़ लिखो, सही लिखो।

सभी परीक्षार्थियों को ढेर सारी शुभकामनाएँ!

#ExamWarriors #BiharBoard2026 कल फिर मिलेंगे – अगले दिन के लिए और तेज़ होकर। जय हिंद! जय बिहार!



.....

रवीन्द्र कुमार

ज़िला शिक्षा पदाधिकारी

प. चम्पारण, बेतिया।





राजकुमार शर्मा

प्रधानाध्यापक

रा.उ.म.वि. दरूआबारी,
बगहा -2, प. चम्पारण।



अंतिम संबोधन - 31.01.2026

आदरणीय मुख्य अतिथि महोदय,
प्रिय सहकर्मिगण, मेरे प्यारे शिक्षक-शिक्षिकाओं,
मेरे बच्चे—प्रिय छात्र-छात्राओं एवं उपस्थित सभी प्रियजन,

आज का यह पल मेरे जीवन की सबसे भावुक घड़ी है। जैसे कोई पुराना साथी अलविदा कहता है, वैसे ही आज मैं अपने इस प्रिय बगहा-2 प्रखंड के शिक्षा परिवार से विदाई ले रहा हूँ। 31 जनवरी 2026—यह तारीख मेरे लिए सिर्फ सेवानिवृत्ति की नहीं, बल्कि अनगिनत यादों, संघर्षों और सफलताओं की एक किताब का अंतिम पन्ना है। मेरे हृदय में उमड़ते भावों को शब्दों में बांधना कठिन है, क्योंकि आप सभी ने मुझे इतना प्यार दिया है कि मैं खुद को कभी अकेला महसूस नहीं किया। आंसुओं के बीच मुस्कुराते हुए, मैं कहना चाहता हूँ कि यह विदाई नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत है—आपकी यादों के साथ मेरी।

सबसे पहले, आप सभी के प्रति मेरी हार्दिक कृतज्ञता। आपकी उपस्थिति, आपका स्नेह, आपका अटूट विश्वास—यही मेरे कार्यकाल की सबसे बड़ी पूंजी रही है। मैंने कभी पद की गरिमा को अपने व्यवहार में बाधा नहीं बनने दिया। मैं वही सहज, वही विनम्र और वही सादगीपूर्ण बिजय कुमार यादव रहा हूँ, जो पहले था। बिहार शिक्षा सेवा में प्रोन्नति के बाद भी यदि मेरी वही पुरानी मुस्कान, वही मिलनसार स्वभाव और वही सरलता आपको दिखाई दी, तो यह आप सभी के प्रेम और सहयोग का परिणाम है। आपने मुझे कभी ऊँचा-नीचा नहीं समझा; बल्कि, हर छोटे-बड़े ने मेरे प्रति गहरा सम्मान दिखाया। यह सम्मान मेरे लिए पदक से कम नहीं—यह मेरे दिल की सबसे कीमती संपदा है। कभी-कभी सोचता हूँ, क्या मैं इसके योग्य हूँ? लेकिन आपका प्यार ही मेरी ताकत रहा है।

अब बात उन उपलब्धियों की, जो हमने मिलकर हासिल कीं। मेरे कार्यकाल में बगहा-2 प्रखंड, खासकर अतिरिक्त क्षेत्र, शिक्षा के नवाचारों में सदैव अग्रणी रहा। लगभग हर विद्यालय में हमने BALA (बिल्डिंग ऐज लर्निंग एड) पेंटिंग्स की रंगीन शुरुआत की—वे दीवारें अब सिर्फ ईंटों की नहीं, बल्कि बच्चों के सपनों की कैनवास बन गईं। स्मार्ट क्लासरूम की स्थापना ने शिक्षा को आधुनिक बनाया, जहाँ बच्चे स्क्रीन पर दुनिया देखकर सीखते हैं। साउंड सिस्टम, माइक आदि की व्यवस्था ने कक्षाओं को जीवंत बना दिया—अब शिक्षकों की आवाज हर कोने तक पहुँचती है, और बच्चे उत्साह से भाग लेते हैं। हमने पॉडियम खरीदकर उपयोग किया, ताकि हर कार्यक्रम गरिमामय हो। रनिंग वाटर और हैंड वाश स्टेशन की सुविधा ने स्वच्छता को प्राथमिकता दी—बच्चे अब स्वस्थ रहकर पढ़ाई करते हैं। सुंदर शौचालय, सुंदर कार्यालय और विद्यालय परिसर में हरी-भरी गार्डनिंग ने पूरे वातावरण को बदल दिया। ये फूल, ये हरियाली—ये सिर्फ सजावट नहीं, बल्कि बच्चों के मन को शांत और प्रेरित करने वाले माध्यम हैं। BRC बगहा - 2 परिसर की चहारदीवारी, मिट्टी भराई एवं 2022 बैच के शिक्षकों के सहयोग से निर्मित गुरु वाटिका बगहा - 2 के शिक्षकों की गौरव गाथा का अमर संदेश सदा देता रहेगा।

ये सब प्रयास मात्र स्थानीय स्तर तक सीमित नहीं रहे; राज्य स्तर तक इनकी प्रशंसा हुई। प्रखंड बगहा-2 का अतिरिक्त क्षेत्र हमेशा नवाचारों में सबसे आगे रहा—यह हमारी सामूहिक मेहनत का प्रमाण है। हमारे विद्यालय सुंदर, सुसज्जित, समयबद्ध, नियमबद्ध, बेहतर प्रबंधन युक्त और अधिकांशतः शिकायत रहित रहे।



बिजय कुमार यादव
प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी
(बिहार शिक्षा सेवा)
बगहा -2, अतिरिक्त
प. चम्पारण।

आईए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌟

ये जिला से लेकर राज्य तक के पदाधिकारियों के लिए आकर्षण के केंद्र बने। उदाहरण के लिए, प्राथमिक विद्यालय रोहुआ टोला, प्राथमिक विद्यालय करमहवा टोला, प्राथमिक विद्यालय केरई-बेरई, उत्क्रमित मध्य विद्यालय सोहरिया, उत्क्रमित मध्य विद्यालय मदनपुर, उत्क्रमित उच्च विद्यालय लक्ष्मीपुर—ये दर्जनों विद्यालय विभिन्न स्तरों पर प्रशंसा के पात्र बने। सभी पदाधिकारी गण यह मानते हैं कि बगहा-2 क्षेत्र, खासकर अतिरिक्त क्षेत्र, पूरे जिले में सबसे बेहतर स्थिति में है। यह सुनकर मेरा हृदय गर्व से भर जाता है, लेकिन साथ ही भावुक भी—क्योंकि यह सफलता मेरी अकेली नहीं, हम सबकी है।

इन सबके पीछे कुछ विशेष व्यक्तियों का अतुलनीय योगदान रहा। इस अवसर पर मैं आदरणीय श्री फणीशचंद्र पाठक जी, सेवानिवृत्त प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी बगहा-2, एवं पूर्व BRP शैलेन्द्र कुमार और पिंटू जी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। आपका सहयोग, आपकी रचनात्मकता और आपका समर्पण—ये सबने मिलकर इन नवाचारों को साकार किया। आप जैसे साथी मिले, इसलिए मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूँ।

वर्तमान प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी आदरणीय फूदन बाबू का भी हर कदम पर लगातार अतुलनीय साथ एवं समर्थन मुझे मिलता रहा। वह भी एक सकारात्मक सोच और विकासवादी कार्यों को आगे बढ़ाने वाले व्यक्तियों में से हैं। इनका व्यक्तित्व भी अत्यंत सहज एवं शालीन है। मैं इनके साथ और सहयोग के लिए तहे दिल से इनका आभार प्रकट करता हूँ और आप सभी से अपील करता हूँ की इनको अपना सहयोग और समर्थन सदा देते रहें।

अब जा रहे समय में मैं केवल

इतना कहना चाहता हूँ—इस प्रखंड के शिक्षा परिवार को और मजबूत बनाइए। नए आने वाले साथियों को पूरा सहयोग दीजिए। हमारे बच्चे ही हमारा भविष्य हैं—उनके लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करते रहिए। मैं उम्मीद करता हूँ कि बगहा-2 अपनी प्रतिष्ठा एवं संस्कृति के अनुकूल ऐसे ही सदैव विभिन्न नवाचारी एवं सकारात्मक कार्यों में लगातार आगे रहेगा। यह कार्य संस्कृति आगे भी जारी रहेगी—यह मेरा विश्वास है।

मेरे परिवार, मेरे सहकर्मियों, मेरे शिक्षक साथियों और इन मासूम बच्चों—आप सबका हृदय से आभार। आपका दिया हुआ प्यार, सम्मान और यादें मेरे साथ हमेशा रहेंगी। सेवानिवृत्ति के बाद भी, यदि कभी जरूरत पड़े, तो मैं हमेशा उपलब्ध रहूँगा। आंसुओं के साथ मुस्कुराते हुए अलविदा कहता हूँ—नहीं, मिलते रहेंगे।

धन्यवाद।

आप सब सदा खुश, स्वस्थ और समृद्ध रहें।

जय हिंद!

बिजय कुमार यादव

प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी

(बिहार शिक्षा सेवा)

बगहा -2, अतिरिक्त

प. चम्पारण।





Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और
जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌱🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य
समय देने के लिए...!!!



संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

☎ -9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई
इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव
की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

☎ +917250818080

✉ teachersofbihar@gmail.com

☎ +917250818080

🌐 www.teachersofbihar.org

